Function of the Central Bank (Part-C)

(6.) The Central Bank as the Bankers's Bank :-

प्रत्येक देश में केन्द्रीय बैंक बैंकों के बैंक के रूप में कार्य करता है। देश के सभी बैंक केन्द्रीय बैंक के साथ अपना बैंकिंग-सम्बन्धी कारोबार रखते हैं। अतः केन्द्रीय बैंक का अन्य बैंकों से प्रायः वही सम्बन्ध होता है जो एक साधारण बैंक का अपने ग्राहकों से।

सर्वप्रथम तो प्रत्येक देश में व्यावसायिक बैंकों को अपने कुल जमा दायित्व का एक निश्चित प्रतिशत भाग केन्द्रीय बैंक के साथ जमा करना पड़ता है। इस सम्बन्ध में विभिन्न देशों में भिन्न-भिन्न तरीके अपनाये गये हैं। उदाहरण के लिए, इंग्लैण्ड के व्यावसायिक बैंक अपने कुल साधनों का प्रायः 8% भाग नकद मुद्रा के रूप में रखते हैं जिसका आधा भाग वे बैंक ऑफ इंग्लैण्ड (Bank of England) के पास जमा कर देते हैं। किन्तु संयुक्त राज्य अमेरिका तथा भारत में इस प्रकार की कानूनी व्यवस्था की गयी है, जिसके अनुसार बैंकों को अपनी कुल चालू एवं सावधि जमा का एक निश्चित प्रतिशत भाग केन्द्रीय बैंक के पास जमा करना पड़ता है। 1991 से नरसिंहम समिति की सिफारिशों के आधार पर नकद कोष अनुपात

10 प्रतिशत कर दिया गया है। डि कॉक के अनुसार, "केन्द्रीय बैंक में नकद मुद्रा का यह केन्द्रीयकरण देश की अर्थव्यवस्था को पर्याप्त मात्रा में शक्ति प्रदान करता है।" बैंकों के नकद कोष के केन्द्रीभूत होने से इनके प्रयोग में भी बचत होती है। इस प्रकार नकद कोष का यह केन्द्रीयकरण देश की बैंकिंग व्यवस्था के लिए निश्चित रूप से बहुत लाभदायक सिद्ध होता है।

(7.) To Act as Clearing House :-

प्रत्येक देश में केन्द्रीय बैंक व्यावसायिक बैंक के समाशोधन-गृह (Clearing House) के रूप में भी कार्य करता है। यह केन्द्रीय बैंक का एक प्रधान कार्य है। समाशोधन गृह एक ऐसी संस्था है जो बैंको को पारस्परिक भुगतान की सुविधा प्रदान करती है। प्रो० टॉसिंग के अनुसार "समाशोधन-गृह किसी स्थान के बैंकों का एक ऐसा सामान्य संगठन है जिसका मुख्य उद्देश्य बैंकों द्वारा निर्मित परस्पर दायित्व का निपटारा या भुगतान करना होता है।" केन्द्रीय बैंक प्रायः प्रत्येक देश में समाशोधन गृह का कार्य करता है। केन्द्रीय बैंक के इस कार्य से व्यावसायिक बैंक बहुत ही लाभान्वित होते हैं। इससे बैंकों का आपसी भुगतान बहुत सरल हो

जाता है तथा मुद्रा के उपयोग में मितव्ययिता होती है। इस प्रकार बैंक का यह कार्य सम्पूर्ण आर्थिक व्यवस्था को सबल बनाती है।

केन्द्रीय बैंक आर्थिक सूचनाएँ तथा आँकड़े एकत्र करने का कार्य भी करता है। मूल्य, उत्पादन, विदेशी विनिमय, राष्ट्रीय आय, बैंकिंग एवं राजस्व-सम्बन्धी सूचनाएँ और आँकड़े प्रायः केन्द्रीय बैंक एकत्र करता है जिनके आधार पर आर्थिक प्रगति का मूल्यांकन किया जा सकता है। इससे आर्थिक नियोजन के कार्यान्वयन में भी सहायता मिलती है। भारत में भी रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया उपरोक्त आँकड़े एकत्र करने का कार्य करता है।

निष्कर्ष :-

इस प्रकार प्रत्येक देश में केन्द्रीय बैंक साधारणतया उपरोक्त सारे कार्यों को सम्पन्न करते हैं। किन्तु इससे यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है कि केन्द्रीय बैंक केवल उक्त सारे कार्यों को ही सम्पन्न करते हैं। केन्द्रीय बैंक का यह भी कर्तव्य होना चाहिए कि देश की मुद्रा के आंतरिक एवं बाह्य मूल्य में यथासम्भव स्थायित्व बनाये रखते हुए चलन प्रणाली में उपयुक्त विस्तार अथवा संकुचन करें, संकटकाल एवं आवश्यकता के

Page No.:
Date: / /

समय केन्द्रीय बैंक को एक ऐसे स्रोत के रूप में कार्य करना होना चाहिए जो सरकारी प्रतिभूतियों या अन्य स्वीकृत अल्प-कालिक प्रतिभूतियों के आधार पर ऋण प्रदान कर सके व अल्पावधि विपत्रों को पुनः बट्टा करके साख प्रदान कर सके। भारत में Reserve Bank of India का प्रधान उद्देश्य स्थायित्व के साथ-साथ विकास हो गया है। और बैंक इस दायित्व को अत्यंत तत्परता के साथ निभा रहा है।

समाप्त

धन्यवाद